

ब्रीफ न्यूज

2653.29 मीट्रिक टन

यूरिया की आई रैक

रामपुर, अमृत विचार : जिला कृषि अधिकारी कुलदीप सिंह राणा ने बताया कि निवारी पर्यावरण बहाली क्षेत्र में 7098 मीट्रिक टन यूरिया, 4077 मीट्रिक टन प्रयोगी मिली है। इसके अलावा 1498 मीट्रिक टन डीप्री उपलब्ध है।

जनपद का 2653.29 मीट्रिक टन

यूरिया की एक रेक सहकारिता क्षेत्र में प्राप्त हो गयी है, जो जनपद की समस्त सहकारी समितियों पर भर्ती जा रही है।

आवश्यकतानुसार प्रयोजन मात्रा में उर्वरक

की आपूर्ति सुनिश्चित कर ली गयी है। कृषकों से अपील की है कि अपनी आवश्यकता के अनुसार ही उर्वरक का क्रय करें और उर्वरक क्रय करते समय अपना आधार कार्ड एवं खुम्भी की खतनी अनिवार्य रूप से उर्वरक क्रियता समिति को उपलब्ध कराए। इसके अतिरिक्त यदि किसी उर्वरक क्रियता समिति द्वारा उर्वरकों की कालाबाजारी उर्वरक का विक्रय निवारित मूल्य से अधिक मूल्य पर किया जाता है तो उर्वरक के साथ कोई कम प्रतिलिपि उत्पाद जबरन देता है तो किसान अपनी शिकायत 9258909256 एवं 9458846182 पर दर्ज करा सकते हैं।

आज और चार अगस्त को रहेगा अवकाश

रामपुर, अमृत विचार : जिलाधिकारी जोगिंदर सिंह ने सावन मास के अंतिम समवार के अवसर पर जाम की रखति व अन्य अप्रीय जाम नहीं। इसके दूरी के दूसरे दिन शहरी क्षेत्र एवं जनपद से गुजर रहे गार्डीय पर्यावरण गार्ड जामगार्ड से दो किलोमीटर की दूरी के समस्त माध्यमिक शिक्षा, बेसिक शिक्षा (समस्त बोर्ड के कक्षा नं. 1 से कक्षा -12 तक) दिन्ही अंग्रेजी माध्यम के जरूरी, परिषदीय प्राथमिक, उच्च प्राथमिक विद्यालय, शासकीय तथा वित्तविहीन मान्यता प्राप्त समस्त विद्यालयों में 2 अगस्त (दिन शनिवार) व 4 अगस्त, (दिन सोमवार) की अवकाश दी गयी है। इन दिवसों में शिक्षक विद्यालय एवं उपसंस्थ रक्कर विभागीय कार्यों का निर्वहन करेंगे।

यतीमखाने के मामले में 6 को होगी सुनवाई

रामपुर, अमृत विचार : सपा शासन काल में यतीमखाना बहरी में बने गान्धी

पर बुलडोजर चलावा दिया था। जिसमें सपा नेता अजम खा सहित कई लोगों को अपीरी बांधा गया था। पुलिस

ने दिवेश के बाद चार्जशीट कार्ट में

एम्पी-एपरले रेसन कार्ट में हो रही है।

एडीजीसी सीमा सिंह राणा ने बताया कि

बचव पक्ष की ओर से स्थग्न प्रार्थना पत्र

आ गया। अब इस मामले में 6 अगस्त को

सुनवाई होगी।

तालाब में डूबकर बालक की मौत

रामपुर, अमृत विचार : आठ साल

के बालक की तालाब में डूबने से

मौत हो गई। पुलिस ने उसके शव को

बाहर निकालवाया। जहां परिजनों

का रो रोकर बुरा हाल है। केमरी

थाना क्षेत्र के मानुजलानगर निवासी

शाकिर का आठ साल का बेटा अहंद

शाम के समय घर के बाहर खेल

रहा था। खेलते हुए वह तालाब के

पास पहुंच गया। वह तालाब में डूबने

लगा। उसके चौथे चिल्डलाने पर गांव

के लोग मोके पर पहुंच गए। उसके

बाद तलाश शुरू कर दी। करीब एक

घंटे के बाद उसके शव को बाहर

निकाला। शव को देखकर परिजनों

ने रोना पीटना मचा दिया।

कार्यालय ग्राम पंचायत मथना विकास खण्ड छजलैट जनपद-मुरादाबाद

पत्रक- ग्रीष्मी- परावरि/निर्माण कार्य/ 2025-26

दिनांक:-01-08-2025

अत्यकालीन निविदा

ग्राम पंचायत ग्राम पंचायत मथना विकास खण्ड छजलैट जनपद-मुरादाबाद

पत्रक- ग्रीष्मी- परावरि/निर्माण कार्य/ 2025-26

दिनांक:-01-08-2025

अत्यकालीन निविदा

ग्राम पंचायत सिक्कन्दराबाद विकास खण्ड छजलैट जनपद-मुरादाबाद

पत्रक- ग्रीष्मी- परावरि/निर्माण कार्य/ 2025-26

दिनांक:-01-08-2025

अत्यकालीन निविदा

ग्राम पंचायत सिक्कन्दराबाद विकास खण्ड छजलैट जनपद-मुरादाबाद

पत्रक- ग्रीष्मी- परावरि/निर्माण कार्य/ 2025-26

दिनांक:-01-08-2025

अत्यकालीन निविदा

ग्राम पंचायत सिक्कन्दराबाद विकास खण्ड छजलैट जनपद-मुरादाबाद

पत्रक- ग्रीष्मी- परावरि/निर्माण कार्य/ 2025-26

दिनांक:-01-08-2025

अत्यकालीन निविदा

ग्राम पंचायत सिक्कन्दराबाद विकास खण्ड छजलैट जनपद-मुरादाबाद

पत्रक- ग्रीष्मी- परावरि/निर्माण कार्य/ 2025-26

दिनांक:-01-08-2025

अत्यकालीन निविदा

ग्राम पंचायत सिक्कन्दराबाद विकास खण्ड छजलैट जनपद-मुरादाबाद

पत्रक- ग्रीष्मी- परावरि/निर्माण कार्य/ 2025-26

दिनांक:-01-08-2025

अत्यकालीन निविदा

ग्राम पंचायत सिक्कन्दराबाद विकास खण्ड छजलैट जनपद-मुरादाबाद

पत्रक- ग्रीष्मी- परावरि/निर्माण कार्य/ 2025-26

दिनांक:-01-08-2025

अत्यकालीन निविदा

ग्राम पंचायत सिक्कन्दराबाद विकास खण्ड छजलैट जनपद-मुरादाबाद

पत्रक- ग्रीष्मी- परावरि/निर्माण कार्य/ 2025-26

दिनांक:-01-08-2025

अत्यकालीन निविदा

ग्राम पंचायत सिक्कन्दराबाद विकास खण्ड छजलैट जनपद-मुरादाबाद

पत्रक- ग्रीष्मी- परावरि/निर्माण कार्य/ 2025-26

दिनांक:-01-08-2025

अत्यकालीन निविदा

ग्राम पंचायत सिक्कन्दराबाद विकास खण्ड छजलैट जनपद-मुरादाबाद

पत्रक- ग्रीष्मी- परावरि/निर्माण कार्य/ 2025-26

दिनांक:-01-08-2025

अत्यकालीन निविदा

ग्राम पंचायत सिक्कन्दराबाद विकास खण्ड छजलैट जनपद-मुरादाबाद

पत्रक- ग्रीष्मी- परावरि/निर्माण कार्य/ 2025-26

दिनांक:-01-08-2025

अत्यकालीन निविदा

ग्राम पंचायत सिक्कन्दराबाद विकास खण्ड छजलैट जनपद-मुरादाबाद

पत्रक- ग्रीष्मी- परावरि/निर्माण कार्य/ 2025-26

दिनांक:-01-08-2025

अत्यकालीन निविदा

ग्राम पंचायत सिक्कन्दराबाद विकास खण्ड छजलैट जनपद-मुरादाबाद

पत्रक- ग्रीष्मी- परावरि/निर्माण कार्य/ 2025-26

दिनांक:-01-08-2025

अत्यकालीन निविदा

ग्राम पंचायत सिक्कन्दराबाद विकास खण्ड छजलैट जनपद-मुरादाबाद

पत्रक- ग्रीष्मी- परावरि/निर्माण कार्य/ 2025-26

दिनांक:-01-08-2025

अत्यकालीन निविदा

ग्राम पंचायत सिक्कन्दराबाद विकास खण्ड छजलैट जनपद-मुरादाबाद

पत्रक- ग्रीष्मी- परावरि/निर्माण कार्य/ 2025-26

दिनांक:-01-08-2025

अत्यकालीन निविदा

ग्राम पंचायत सिक्कन्दराबाद विकास खण्ड छजलैट जनपद-मुरादाबाद

पत्रक- ग्रीष्मी- परावरि/निर्माण कार्य/ 2025-26

दिनांक:-01-08-2025

अत्यकालीन निविदा

ग्राम पंचायत सिक्कन्दराबाद विकास खण्ड छजलैट जनपद-मुरादाबाद

पत्रक- ग्रीष्मी- परावरि/निर्माण कार्य/ 2025-26

दिनांक:-01-08-2025

अत्यकालीन निविदा

ग्राम पंचायत सिक्कन्दराबाद विकास खण्ड छजलैट जनपद-मुरादाबाद

कुछ समय पहले तक गांव-देहात के साथ शहरों में भी शादी-ब्याह या उत्सव के मौके पर अक्सर लिल्ली घोड़ी का नाच देखने को मिल जाया करता था। कई पुरानी फिल्मों में भी लिल्ली घोड़ी का नाच दिखाया गया है। लेकिन लोक नृत्य की परम्परा लिल्ली घोड़ी अब लुप्त सी होती जा रही है। लिल्ली घोड़ी के नाच में काठ से घोड़ी का चेहरा बनाया जाता है, जिसे लेकर कलाकार इस तरह चलता, धूमता और झूमता है, जैसे घोड़ी पर बैठा हुआ नृत्य कर रहा है।

लिल्ली घोड़ी का नाच किस-किसने देखा लि

लिल्ली घोड़ी नृत्य को भारत के विभिन्न प्रांतों में अनन्य-अलग नामों से जाना जाता है। जहां उत्तर प्रदेश एवं मध्य प्रदेश में इसे लिल्ली घोड़ी कहा जाता है, वही राजस्थान व गुजरात में यह चान कच्छी घोड़ी की है। गोवा में इसे घोड़मोदनी अर्थात मनोरंजन करने वाली घोड़ी कहते हैं। उड़ीसा में इसका नाम 'चैती घोड़ी' है।

'लिल्ली शब्द 'लीला' से बना है जिसका अर्थ है, अभिनय। इस प्रकार लिल्ली घोड़ी का अर्थ हुआ, 'लीला करने वाली घोड़ी'। लिल्ली घोड़ी लकड़ी, बांस, धास और कपड़े से बनाई जाती है। यह बिना पैरों वाली घोड़ी का एक खोखला ढांचा होता है, जिसकी पैर से लेकर ये तक आरपान बड़ा गोल छेद रखा जाता है। यह भाग इतना चौड़ा बनाया जाता है कि नर्तक पुरुष या स्त्री नीचे से सिर डालकर धुस सके तथा अपना कमर से ऊपर का भाग काढ़ी के ऊपर निकाल सके। काढ़ी का बाहरी भाग रंगीन कपड़ों की छूल एवं झालरों से सजाया जाता है। काले रंग की पूँछ लगाई जाती है और कपड़े एवं खपाच्चियों की सहायता से घोड़ी का मुख बनाकर उसे माला, नक्ल, कलंगी से सजाया जाता है।



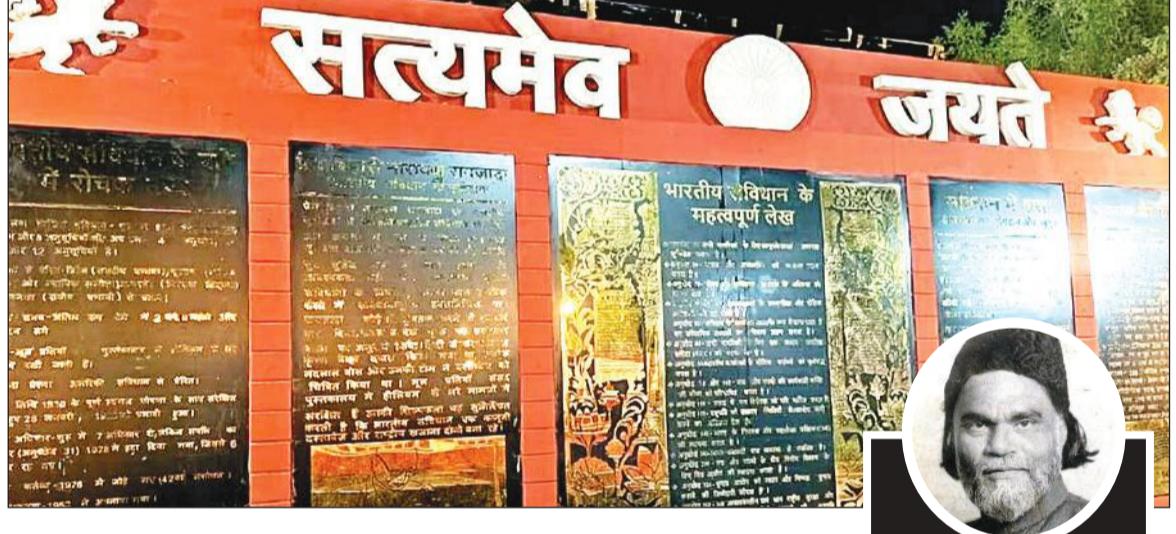
■ देख के हर हिस्से में पाई जाने वाली लोक नृत्य की परम्परा अब तुक्त होने के कागर पर

■ लकड़ी, बांस, धास और रंगीन कपड़े से बनाया जाता है, जिसकी पैरों की घोड़ी का खोखला ढांचा होता है, जिसकी पैर से लेकर ये तक आरपान बड़ा गोल छेद रखा जाता है। यह भाग इतना चौड़ा बनाया जाता है कि नर्तक पुरुष या स्त्री नीचे से सिर डालकर धुस सके तथा अपना कमर से ऊपर का भाग काढ़ी के ऊपर निकाल सके। काढ़ी का बाहरी भाग रंगीन कपड़ों की छूल एवं झालरों से सजाया जाता है। काले रंग की पूँछ लगाई जाती है और कपड़े एवं खपाच्चियों की सहायता से घोड़ी का मुख बनाकर उसे माला, नक्ल, कलंगी से सजाया जाता है।

नर्तक के हिलने पर हवा से बातें करती दिखती हैं घोड़ी

■ घोड़ी की काढ़ी पर रंगीन बेल-बूटों वाली लम्बी-घोड़ी झूल डाली जाती है, जो नर्तक के पैरों को ढकती हुई जमान तक लटकती है। नृत्य करने समय नर्तक इस काढ़ी में धुसकर अपना धड़ भाग काढ़ी के ऊपर निकाल लेता है तथा काढ़ी को कसकर अपनी कमर के वारों और बांध लेता है। जब वाय यंत्र बढ़ते हैं तो नर्तक घोड़ी की लगाम अपने हाथ में पकड़कर इस प्रकार हिलाता और झूमता है जैसे किसी घोड़ी की हांका जाता है।

लेखक: प्रदीप तिवारी



सोने जैसी विरासत पर साहित्य की सुगंध

पीतलनगरी, मुरादाबाद में साहित्य सूजन दस्तावेजी होने के साथ रखता है अलग पहचान

विदेशी विश्वविद्यालयों में पढ़ाई जा रही साहित्य पर लिखी पुस्तकें

■ वर्तमान हिन्दी साहित्यकारों में जहां हिन्दी के प्राच्यापक रहे डॉ. रामानन्द शर्मा द्वारा रीतिकालीन काव्य के सनदर्भ में लिखी गयी कई पुस्तकें विदेशों के विश्वविद्यालयों में पढ़ाई जा रही हैं, वही शास्त्राधिक मीलिक कृतियां लिखने वाले डॉ. महेश दिवाकर एवं डॉ. रावेश चक्र द्वारा रखी गयी हैं। वेदों का काव्यानुवाद करने वाले साहित्यकार डॉ. अंजय अनुमें, बाल साहित्यकार राजीव सक्सेना, साहित्यकार अशोक विश्वेन्द्री, हिन्दी और अंग्रेजी में सामान्यप्रसाद सुनन करने वाले डॉ. आरसी शुक्रलाल, योगेन्द्र पाल सिंह विश्वेन्द्री, डॉ. प्रेमवती उपाध्याय, डॉ. प्रनव बंसल, डॉ. अर्जुन गुला, विरेन्द्र सिंह वृजवाली, श्रीकृष्ण शुल्क व नई पीढ़ी के मर्यादा शर्मा, राजीव प्रखर, जिनेन्द्र जौली, हमा तिवारी भद्र, मीनाक्षी ठाकुर, दुष्टांशु बाबा, कमल शर्मा, ममता सिंह, कंठन खन्ना, प्रशांत मिश्र, अमर सक्सेना, अधिकारी विश्वेन्द्री, मदनमोहन व्यास, दयानन्द गुप्त, लिलितामोहन भारद्वाज, सुनेद्र मोहन मिश्र, प्रो. महेन्द्र प्रताप, राम अवतार त्यागी, दुष्टांशु कुमार, डॉ. कुंवर बैचैन, शशीन्द्र भट्टाचार्य, पुष्पेन्द्र वर्णवाल, दिग्गज मुरादाबादी, रामलाल अन्जना, ब्रजभूषण सिंह गौतम अनुराग, राजेन्द्र मोहन शर्मा श्रींग, विष्णुवत्त व्याय कवि डॉ. मक्खन मुरादाबादी एवं हुल्लुड मुरादाबादी जैसे हैं।



जिगर मुरादाबादी ने शायरी को दिया नया मुकाम...

■ उर्दू साहित्य में मशहूर शायर जिगर मुरादाबादी के वर्तमान तथा अब तुक्त होने के कागर पर लकड़ी, बांस, धास और रंगीन कपड़े से बनाया जाता है, जो नर्तक के पैरों को ढकती हुई जमान तक लटकती है। नृत्य करने समय नर्तक इस काढ़ी में धुसकर अपना धड़ भाग काढ़ी के ऊपर निकाल लेता है तथा काढ़ी को कसकर अपनी कमर के वारों और बांध लेता है। जब वाय यंत्र बढ़ते हैं तो नर्तक घोड़ी की लगाम अपने हाथ में पकड़कर इस प्रकार हिलाता और झूमता है जैसे किसी घोड़ी की हांका जाता है।

गजल की समृद्ध परंपरा ने भी प्रतिष्ठाव पहचान दी

■ मुरादाबाद को गजल की समृद्ध परंपरा ने प्रतिष्ठाव और पहचान दी है। मशहूर शायर मंसुर शायर को सुनने रितर पूर्ण हो रही गल की खुशबूदार यात्रा मशहूर शायर अवतार द्वारा साहब, निजाम हातिफ, कमर कवीर इरम, अनरन्द्र कैथी, डॉ. कृष्ण कुमार नाज, अमिकार, डॉ. मुजाहिद फरज, रियज मुरादाबादी, कशिश वारसी, जिया जमीर तक की वीरांगी और फरहत अंती, नूर रुज्जमा नूर, राहुल शर्मा, ममोज ममु, अकित गुप्ता अंक, मोनिका मासूम, राशिंद हुसैन, अरिका मसूद अमबर, सुल्तान अजहर, अहमद रसोगी एनसाइक्लोपीडिया जैसे हैं।

लेखक - योगेन्द्र वर्मा 'व्योम' नवगीतकार मुरादाबादी

बच्चों के चेहरे पर शिक्षा की मुस्कान बिखरनी वाली 'वीरांगना'

‘पिता के देहांत के बाद मुझे स्कूल छोड़ना पड़ा था। तो नाच साल की उम्र तक पैरों में चप्पेल तक नहीं होती थीं। ऐसे में स्कूल फीस भरना मां के लिए बहुत मुश्किल था। सरकारी स्कूल में किसी तरह पढ़ाई की। इसी दौरान ठान लिया कि जो मेरे साथ हुआ, किसी और बच्चे के साथ नहीं होगा। मां-बाप नहीं होने पर आर्थिक चुनौतियों की बजह से किसी बच्चे का पढ़ाई नहीं छोड़ने दूँगी।’ बस फिर क्या था, समाज से अलग-अलग हो चुके बच्चों को मुख्य धारा से जोड़ने का जुनून स्वराह हो गया। यह कहानी वीरांगना स्कूल की संचालिकों गुंजन बिट्ठ की है।

हल्द्वानी के बरेली रोड स्थित मंगल पड़ाव पर वीरांगना नामक शिक्षा केंद्र संचालित है। यह शहर के निजी स्कूलों से अलग इसलिए है, क्योंकि यहां बच्चों को पढ़ने के लिए फीस नहीं देनी पड़ती है, इसके विपरीत पैसेल, किताबें, यूनिफर्म स्कूल से मिलती हैं। यही नहीं, बच्चों की पढ़ाई में कोई बाधा न आए, इसलिए उनके घरों में स्कूल की तरफ से शरण तक भरवाया जाता है। इस स्कूल में ऐसे बच्चों को दाखिला मिलता है, जिन्हें समाज साथ नहीं बिठाना पड़ता है। इस स्कूल को संचालित करती है गुंजन बिट्ठ।



समाज और शिक्षा से उपेक्षित बच्चों का भविष्य संवाद में जुटी हैं गुंजन बिट्ठ

शुरू में बच्चों को दिहाड़ी दी, ताकि रोज आए स्कूल

■ गुंजन ने बताया शुरू में यह समस्या आयी कि वह जब बच्चों के घर से स्कूल लाने के लिए पहंचती थीं, तो अक्सर मां-बाप कमाई नहीं होने के डर से बच्चों को इधर-उधर कर देते थे। इस पर बच्चों को उनकी दिहाड़ी देनी शुरू की ताकि बच्चे रोज आए। धीरे-धीरे बच्चे बढ़ते गए। लेकिन चुनौती अभी भी बरकरार थी। इन बच्चों के नाम प्रमाण पत्र थे न आधार काढ़। स्वास्थ्य टीके भी नहीं लगते थे। प्रशासनिक और सारांश अफसरों से पास दौड़ लागकर उनके जरूरी दस्तावेज बराबर और टीके लगवाए। इसके बाद बच्चों का सरकारी स्कूलों में दाखिला कराया गया। धीरे-धीरे बच्चों और उनके मां-बाप को शिक्षा का महत्व समझ आने लगा।



वीर योद्धा तीलू रौतेली पुरस्कार से सम्मानित

■ गुंजन के जज्जे को सरकार ने भी समराहा है। वर्ष 2023 में उन्हें तीलू रौतेली गद्बाली की वीर योद्धा थीं। तीलू से ही प्रेरित होकर गुंजन ने अपने स्कूल का नाम अंकुर शर्मा, हल्द्वानी दिलाई। जैसे लिल्ली घोड़ी अबनी पीठ पर धड़सवार की विठार स्वयं उठल-कूद कर रही है।

लेखक: अंकुर शर्मा, हल्द्वानी

क

बाजार	सेवेस	निपटी
बंद हुआ	80,599.91	24,565.35
गिरावट	585.67	203
प्रतिशत में	0.72	0.82

सोना 97,620	प्रति 10 ग्राम
चांदी 1,09,500	प्रति किलो

बिजनेस ब्रीफ

विदेशी मुद्रा भंडार बढ़कर 698.1 अरब डॉलर पहुंचा

मुद्राई भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 25

जुलाई में कुल विदेशी मुद्रा भंडार 2.703

अरब डॉलर बढ़कर 698.192 अरब

डॉलर हो गया। अधिकारी रिज़र्व बैंक

(आरबीआई) ने यह जानकारी दी। इसमें

पिछले सप्ताह में कुल विदेशी मुद्रा भंडार

1.183 अरब डॉलर बढ़कर 695.489

अरब डॉलर रहा था। 25 जुलाई को

समाप्त सप्ताह को विदेशी मुद्रा अस्तित्वा

का प्रमुख घटक, विदेशी मुद्रा अस्तित्वा

1.316 अरब डॉलर बढ़कर 588.926

अरब डॉलर हो गया। डॉलर के सदर्भ में

उल्लेखित विदेशी मुद्रा प्रसंसंपत्तियों में

विदेशी मुद्रा भंडार में रुपए गये गुरु, पार्ट

और यूनी जैसी ग्रे-अमेरिकी मुद्राओं

की घट-बढ़ का विवाह शामिल होता

है। रिज़र्व बैंक ने कहा कि रुपए भंडार

का मूल्य 1.206 क्रोड डॉलर बढ़कर

85.704 अरब डॉलर हो गया। विशेष

आहरण अधिकारी (एसडीआई) 12.6

अरब डॉलर बढ़कर 18.809 अरब डॉलर

हो गया।

नकद ईनाम वाले गेम की

अनुमति देने का प्रस्ताव

नई दिल्ली। ग्रूपल ने प्रतिसंरक्षण रोपी

विंगों को दूर करने के लिए भारत

में ग्रूपल ले पर नकद ईनाम वाले गेम

की अनुमति देने का प्रस्ताव रखा है।

इस प्रमुख प्लॉयोगिकी कंपनी के नगूल

विज्ञापन है और कुछ शार्ट्स के साथ भारत में

कॉर्पोरेशन गेम के विज्ञापन की

अनुमति दी है। भारतीय प्रतिसंरक्षण आयोग

(सीसीआई) ने विवर 2024 में विज्ञापन

गेम के लिए विदेशी डॉलर की विकाश पर

ग्रूपल के लिए ग्रूपल जाका आरेख दिया

था। इस बारे में ग्रूपल ने नियमक को एक

प्रतिबद्धता प्रस्ताव दिया है।

एप्पल ने रिकॉर्ड

राजस्व किया हासिल

नई दिल्ली। आईफोन बनाने वाली कंपनी

एप्पल ने एप्पल-जून तिमाही में भारत

सहित 24 से अधिक बाजारों में रिकॉर्ड

राजस्व हासिल किया, जो बाजार की

अनुमति दी है। भारतीय प्रतिसंरक्षण आयोग

(सीसीआई) ने विवर 2024 में विज्ञापन

गेम के लिए विदेशी डॉलर की विकाश पर

ग्रूपल के लिए ग्रूपल जाका आरेख दिया

था। इस बारे में ग्रूपल ने नियमक को एक

प्रतिबद्धता प्रस्ताव दिया है।

एप्पल ने इस वर्ष के अंत में भारत और

संयुक्त अरब अमीरात में नए विक्री केंद्र

खोलने की योजना की जानकारी दी है।

बाजार	सेवेस	निपटी
बंद हुआ	80,599.91	24,565.35
गिरावट	585.67	203
प्रतिशत में	0.72	0.82

सोना 97,620	प्रति 10 ग्राम
चांदी 1,09,500	प्रति किलो

अमेरिकी शुल्क से देश के निर्यात पर पड़ेगा असर

जीटीआरआई ने ट्रंप के आदेश का किया विवेषण, दवा-रसायन, ऊर्जा उत्पाद व इलेक्ट्रॉनिक्स क्षेत्र होंगे प्रभावित

नई दिल्ली, एजेंसी

अमेरिका के भारत के सभी सामानों पर बिना किसी शुल्क के 25 प्रतिशत का शुल्क लगाने से अमेरिका को होने वाले नियात पर बुरा असर पड़ सकता है। अर्थिक शोध संस्थान रसोवल ट्रेड रिसर्च इनीशिएटिव (जीटीआरआई) द्वारा अमेरिका के कार्यवाही आदेश के विवेषण के अनुसार 25% शुल्क दवा, मुख्य रसायन, ऊर्जा उत्पाद और इलेक्ट्रॉनिक्स क्षेत्रों पर लगा नहीं होगा। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपने आदेश में विभिन्न देशों पर लगाने वाली शुल्क दरों का व्योग दिया है। जबाबी शुल्क दरों में अतिरिक्त संबंधित शोधक वाले सरकारी आदेश में राष्ट्रपति ट्रंप ने रिकॉर्ड 70 दरों पर लगा जाने वाली शुल्क

पर लगा नहीं होगा। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बाद विवाह शामिल होता है। रिज़र्व बैंक ने कहा कि रुपए भंडार

का मूल्य 1.206 क्रोड डॉलर के बाद बढ़कर

85.704 अरब डॉलर हो गया। डॉलर के सदर्भ में

उल्लेखित विदेशी मुद्रा प्रसंसंपत्तियों में

विदेशी मुद्रा भंडार में रुपए गये, गुरु

पार्ट और यूनी जैसी ग्रे-अमेरिकी मुद्राओं

की घट-बढ़ के बाद विवाह शामिल होता

है। रिज़र्व बैंक ने कहा कि रुपए भंडार

का मूल्य 1.206 क्रोड डॉलर के बाद बढ़कर

85.704 अरब डॉलर हो गया। डॉलर के सदर्भ में

उल्लेखित विदेशी मुद्रा प्रसंसंपत्तियों में

विदेशी मुद्रा भंडार में रुपए गये, गुरु

पार्ट और यूनी जैसी ग्रे-अमेरिकी मुद्राओं

की घट-बढ़ के बाद विवाह शामिल होता

है। रिज़र्व बैंक ने कहा कि रुपए भंडार

का मूल्य 1.206 क्रोड डॉलर के बाद बढ़कर

85.704 अरब डॉलर हो गया। डॉलर के सदर्भ में

उल्लेखित विदेशी मुद्रा प्रसंसंपत्तियों में

विदेशी मुद्रा भंडार में रुपए गये, गुरु

पार्ट और यूनी जैसी ग्रे-अमेरिकी मुद्राओं

की घट-बढ़ के बाद विवाह शामिल होता

है। रिज़र्व बैंक ने कहा कि रुपए भंडार

का मूल्य 1.206 क्रोड डॉलर के बाद बढ़कर

85.704 अरब डॉलर हो गया। डॉलर के सदर्भ में

उल्लेखित विदेशी मुद्रा प्रसंसंपत्तियों में

विदेशी मुद्रा भंडार में रुपए गये, गुरु

पार्ट और यूनी जैसी ग्रे-अमेरिकी मुद्राओं

की घट-बढ़ के बाद विवाह शामिल होता

है। रिज़र्व बैंक ने कहा कि रुपए भंडार

का मूल्य 1.206 क्रोड डॉल



तलाक के बाद मुझे थोखेबाज कहा गया, मैंने किसी को थोखा नहीं दिया। मेरे मन में अन्मत्या के बिचार आते थे। मैं जिंदगी से उड़ चुका था। मैं दिन में कई बार रोता था और बस दौ घृंठ सोता था।

-युजवेंद्र चहल, भारतीय लेग स्पिनर

हाईलाइट

एआईजी में दीक्षा की

अच्छी शुरुआत

पैरेंट्स कॉल (वेबसॉ)। भारतीय गोल्फर दीक्षा जार ने महिलाओं के लिए साल के आखिरी मेजर एआईजी महिला ओपन के पहले दो दिन में केवर 71 का कार्ड खेला और वह सुनुक्त 30वें स्थान पर है। महिला ओपन में छठी बार भाग ले रही दीक्षा ने खराब औसत के बावजूद बार बारी और तीन बारी की। यह भारतीय खिलाड़ी 15वें होल तक सुनुक्त 14वें स्थान पर चल रही थी और इसके बाद नीचे विसर्जन गई। उन्होंने फहले, सातवें, नौवें और 11वें होल पर बर्डी लगाई तथा छठे, आठवें और 11वें होल पर बोगी की।

डब्ल्यूटीटीसी के लिए

भारतीय टीम में क्वालीफाई

नई दिल्ली। भारतीय पुरुष और महिला टेल टेस्ट टीमों ने काठमांडू में दक्षिण पश्चिम क्षेत्रीय वींपिनशिप में अप्रदर्शन करके लंदन में विश्व बैल टेस्ट टीमों के लिए एक अंडर 71 का कार्ड खेला और वह सुनुक्त 30वें स्थान पर है। महिला ओपन में छठी बार भाग ले रही दीक्षा ने खराब औसत के बावजूद बार बारी और तीन बारी की। यह भारतीय खिलाड़ी 15वें होल तक सुनुक्त 14वें स्थान पर चल रही थी और इसके बाद नीचे विसर्जन गई। उन्होंने फहले, सातवें, नौवें और 11वें होल पर बर्डी लगाई तथा छठे, आठवें और 11वें होल पर बोगी की।

दब्ल्यूटीटीसी के लिए

भारतीय टीम में क्वालीफाई